पंजीकृत क्रमांक : S-385/1949-50


# अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद

केंद्रीय कार्यालय : 3, मार्बल आर्च, सेनापति बापट मार्ग, माटुंगा रोड (प.रे.), माहिम, मुंबई - 400016

+91 22 24306321/24378866 24313938 abvpkendra@gmail.com www.abvp.org


दि. 12 मार्च 2024

**-:प्रेस विज्ञप्ति:-**

**अभाविप का केरल के छात्र की एसएफआई गुंडों द्वारा गंभीर प्रताड़ना के बाद आत्महत्या मामले में देशभर के विश्वविद्यालय परिसरों में प्रदर्शन।**

**डीयू, बीएचयू, उस्मानिया, एचसीयू, राजस्थान विवि, गुजरात विवि सहित विभिन्न विवि में अभाविप का केरल में सिद्धार्थन की आत्महत्या मामले में प्रदर्शन।**

**वामपंथी छात्र संगठनों की हिंसा से शैक्षणिक संस्थानों का माहौल दूषित: अभाविप।**

केरल के वायनाड स्थित केरल वेटनरी एंड एनिमल साइंस यूनिवर्सिटी के द्वितीय वर्ष के छात्र जे. एस. सिद्धार्थन की केरल में सत्तारूढ़ पार्टी सीपीएम की छात्र इकाई स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) के गुंडों द्वारा बेल्ट तथा केबल तार से बुरी तरह पिटाई तथा नंगा कर परेड कराए जाने के बाद आत्महत्या के मामले में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने काशी हिंदू विश्वविद्यालय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, गुजरात विश्वविद्यालय, राजस्थान विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय, उस्मानिया विश्वविद्यालय, जेएनयू, अन्नामलाई विवि सहित देश के विभिन्न विश्वविद्यालय-महाविद्यालय परिसरों में प्रदर्शन करते हुए कार्रवाई की माँग की है।

उल्लेखनीय है कि केरल वेटनरी एंड एनिमल साइंस यूनिवर्सिटी के द्वितीय वर्ष के छात्र जे. एस. सिद्धार्थन का 18 फरवरी को वायनाड कैंपस हॉस्टल के बाथरूम में शव मिला था, जाँच में सामने आया है कि जेएस सिद्धार्थन के साथ एसएफआई से जुड़े अपराधियों ने केबल तार, बेल्ट से हमला कर बुरी तरह मारपीट की तथा उक्त छात्र को छात्रावास में नंगा कर परेड कराई। उक्त जघन्य घटना के बाद 18 फरवरी को जे. एस. सिद्धार्थन का शव हॉस्टल बाथरूम में लटकता हुआ मिला था। घटना के बाद से ही केरल में अभाविप की विभिन्न इकाइयों द्वारा न्याय की माँग तथा एसएफआई के गुंडों-अपराधियों की लगातार अपराध संलिप्तता को रोकने की माँग को लेकर विरोध प्रदर्शन जारी है।

अभाविप के राष्ट्रीय महामंत्री श्री याज्ञवल्क्य शुक्ल ने कहा कि एसएफआई ने केरल सरकार के संरक्षण में बीते महीनों में केरल के शैक्षणिक संस्थानों में लगातार हिंसा, भ्रष्टाचार तथा गुंडागर्दी से शैक्षणिक संस्थानों को दूषित कर दिया है। सिद्धार्थन की आत्महत्या ने पूरे देश की आत्मा को झकझोर कर रख दिया है तथा केरल के शैक्षणिक संस्थानों में हो रही रैगिंग की पोल खोल दी है। आज अभाविप के देशभर के विश्वविद्यालयों में हुए प्रदर्शनों में शामिल हुए विद्यार्थियों ने एकमत हो सिद्धार्थन के परिवार के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए केरल सरकार की शैक्षणिक संस्थानों को वामपंथियों की हिंसा का अखाड़ा बनने से रोकने में विफलताओं की निंदा की है।

अभाविप के राष्ट्रीय मंत्री श्री श्रवण बी राज ने कहा कि सिद्धार्थन आत्महत्या मामले में विद्यार्थी परिषद ने वायनाड कैंपस के बाहर प्रदर्शन व भूख हड़ताल, केरल सचिवालय तक प्रदर्शन कर उचित जाँच कर कार्रवाई की माँग की थी। मृतक छात्र सिद्धार्थन के माता-पिता इस घटना को आत्महत्या नहीं बल्कि हत्या बता रहे हैं, अभाविप माँग करती है कि उनकी इच्छानुसार इस पक्ष की जाँच हो तथा वास्तविकता सामने लाई जाए। यह अत्यंत ही शर्मनाक है कि फर्जी ढ़ंग से प्रवेश, शिक्षाविदों तथा छात्रों से मारपीट, विवि के कामकाज को बाधित करने, रैगिंग, मारपीट के मामलों में एसएफआई की सीधी भूमिका सामने आने के बाद भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, यह अत्यन्त शर्मनाक है। वामपंथियों के अधिनायकवाद तथा हिंसा के विरोध में विद्यार्थी परिषद पुरजोर विरोध जारी रखेगी।

---

**(यह प्रेस विज्ञप्ति केन्द्रीय कार्यालय मंत्री श्री दिगम्बर पवार द्वारा जारी की गयी है।)**